and since when they are lying there; and

(b) how the goods will be disposed of?]

वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) कैसल रॉक रेलवे स्टेशन पर लगभग ८०,००० रुपये का माल मिला जिसका कोई दावेदार नहीं था। यह सारा माल, जो चालू साल का है, बेलगांव के केन्द्रीय गोदाम में जमा करा दिया गया है।

(ख) बिना दावे के इस माल को, जाब्ते की कार्रवाई के बाद नीलाम कर दिया जायेगा।

t[THE MINISTER OF FINANCE (SHRI MORARJI R. DESAI) : (a) Goods valued at Rs. 80,000/- approximately were found unclaimed at Castle Rock Railway Station. All these goods which relate to the current year, have been deposited in the Central godown at Belgaum.

(b) The unclaimed goods will be disposed of by auction after necessary formalities have been gone through.]

140. *{Transferred to the 13th November,* 1962.]

### दिल्ली की पंचायतों का हिन्दी में कामकाज

१४१. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में कुल कितनी पंचायतें हैं;

(ख) उनमें से कितनी पंचायतें अपना काम अंग्रेजी में और कितनी हिन्दी में कर रही हैं ; और

(ग) पंचायतों को आदेश इत्यादि हिन्दी में भेजे जाते हैं या अंग्रेजी में और यदि अंग्रेजी में भेजे जाते हैं तो इसका क्या कारण है ?

### II DELHI PANCHAYATS' WORKING IN HINDI

141. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of HOMB AFFAIRS be pleased to state:

(a) what is the total number of Panchayats in Delhi;

(b) how many of these Panchayats are doing their work in English and how many in Hindi; and

(c) whether the orders etc. relating to Panchayats are issued in Hindi or in English and if these are issued in English, what is the reason therefor?]

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बी० एन० दातार) : (क) से (ग) सूचना इकट्ठा की जा रही है और यथा समय सभा-पटल पर रख दी जायेगी।

ttTHK MINISTER OF STATE IN THK MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI B. N. DATAR): (a) to (c) The information is being collected and will be laid on the Table of the House in due course.]

### दिल्ली के कार्यालयों में उर्दू प्रलेख का देवनागरी लिपि में दिया जाना

१४२. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दिल्ली की अदालतों, पुलिस विभाग तथा राजस्व विभाग आदि में ऐसी व्यवस्था है कि जनता यदि किसी उर्दू प्रलेख

f [ ] English translation.

की प्रतिलिपि देवनागरी लिपि में मांगे तो वह उसे मिल सके; और

(ख) यदि नहीं, तो क्या इस कठिनाई को दूर करने के कोई उपाय किये गये हैं ?

†[SUPPLY OF URDU DOCUMENT IN DEVANAGRI SCRIPT IN DELHI OFFICES

142. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether there are any arrangements in Courts, Police Department and Revenue Department etc., of Delhi to the effect that the public may get, on demand, a copy of the Urdu document in Devanagri script; and

(b) if not, whether any measures have been taken to remove the difficulty?]

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बी० एन० दातार) : (क) हां । ट्रांसफर डीड, वसीयतों, फ़ैसलों, राजस्व अभिलेखों आदि जैसे रजिस्टर्ड प्रलेखों के अलावा बाकी के लिये इंतज़ाम है । रजिस्टर्ड प्रलेखों का इंतज़ाम इसलिये नहीं है क्योंकि इनके मामलों में प्रमाणित प्रतियां जारी करते समय लिपि में परिवर्तन करना उचित नहीं होगा ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

†[THB MINISTER OF STATE *m* THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI B. N, DATAR) : (a) Yes. Arrangements exist except in the case of registered documents like transfer deeds, wills, judgments, revenue records etc. where it may not be appropriate to change the script while issuing certified true copies.

(b) Does not arise.] '

राष्ट्रीय बचत संगठन के विज्ञापन

१४३. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राष्ट्रीय बचत संगठन के कितने विज्ञापन १९६२ में विभिन्न अखबारों में छपे थे ;

(ख) उनमें से कितने विज्ञापन छपने के लिये (१) अंग्रेज़ी पत्रों को, (२) हिन्दी पत्रों को और (३) अन्य भारतीय भाषाओं के पत्रों को भेजे गये; और

(ग) क्या सरकार अंग्रेज़ी पत्रों को भेजे जाने वाले विज्ञापनों में कमी करके उनको भारतीय भाषाओं के पत्रों को भेजने का विचार रखती है ?

†[ADVERTISEMENTS OP NATIONAL SAVINGS ORGANISATION

143. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the number of advertisements of the National Savings Organisation which were published in various newspapers in 1962;

(b) out of them, how many advertisements were sent for publication to (i) English papers, (ii) Hindi papers and (iii) papers of other Indian languages; and

(c) whether Government propose to curtail the number of advertisements which are sent to English papers and to send them instead to the papers of Indian languages?]

वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) जनवरी से सितम्बर, १९६२ की अवधि में २६ विज्ञापन दिये गये ।

(ख) ये छब्बीसों विज्ञापन, अंग्रेज़ी अखबारों के अलावा हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं के समाचारपत्रों में भी प्रकाशित हुए ।

†† ] ■nglish tranflatio*..